# Hindi Murli Quiz 31-12-2013 (Answers)

आप यहाँ से सिर्फ 20 मिनट की 3mb की ऑडियो mp3 मुरली डाउनलोड करके अच्छी तरह सुनके/पढके फिर ही क्विज करें. इससे १००/१०० आना आसान हो जायेगा :-)

धन्यवाद ओम शांति

*Q.1)* भारत को स्वर्ग बनाने में हमें किस प्रकार मदद करनी है ?

A. ◉ भारत को स्वर्ग बनाने में हमें अपनी एक-एक कौड़ी सफल करनी है

B. ○ भारत को स्वर्ग बनाने के लिए हमें अछि रीती पढाई पढ़नी है और दूसरों को पढ़ाना है

C. ○ भारत को स्वर्ग बनाने में हमें ज्वालामुखी योग में रहना है

D. ○ भारत को स्वर्ग बनाने में हमें पवित्र रहकर मदद करनी है

*Q.2)* ड्रामा की यथार्थ नॉलेज कौनसे ख्यालात समाप्त कर देती है ? (सही वाक्यों पर चिन्ह लगाए)

A. ☐ किन आत्माओं को मोक्ष मिलता है और कौनसी आत्माए जन्म मरण के चक्कर में आती रहती है यह सब ख्यालात ड्रामा की यथार्थ नॉलेज से समाप्त हो जाते है

B. ☑ पुराना शारीर है इसे चत्तियां भी लगनी ही है इसलिए कोई ख्यालात चल नहीं सकते.

C. ☑ यह बिमारी क्यों आई, ऐसा नहीं करते तो ऐसा नहीं होता, यह विघ्न क्यों पड़ा ..... बंधन क्यों आया ..... यह सब ख्यालात ड्रामा की यथार्थ नॉलेज से समाप्त हो जाते है क्योकि ड्रामा अनुसार जो होना था वही हुआ, कल्प पहले भी हुआ था.

D. ☐ हम कहा से आए है और हमें कहा जाना है, हमारा घर परमधाम कहा है और स्वर्ग कहा है, यह सब प्रश्न ड्रामा की यथार्थ नॉलेज से समाप्त हो जाते है

*Q.3)* हमें झूठ नहीं बोलना है, क्यों ?

A. ○ झूठ बोलने से हम आज या कल पकडे ही जायेंगे, इसलिए सच बोलना है

B. ◉ क्योकि हमारा बाप सच्चा है और हमें उसके साथ सच्चा रहना है

C. ○ झूठ बोलने से, झूठी माया, झूठी काया, झूठा सब संसार, इस उक्ति के अनुसार हम भी संसार को झूठा बनाने में सहभागी हो जाते है, जो हमें नहीं करना है

D. ○ झूठ बोलने से मन खाता है, इसलिए झूठ नहीं बोलना है

*Q.4)* इन्हें मिलाओ

| | Choice | Match |
|---|---|---|
| A | ब्रह्मा बाप सामान सरेंडर हो | ट्रस्टी बनकर रहना है |
| B | इस पढाई की चारों सब्जेक्ट का मूल सार है | "बेहद" |
| C | सच्चे बाप से | सच्चा रहना है |
| D | कोलेज खोलने से | दुसरे जन्म में विद्या अच्छी मिलेगी |

*Q.5)* आज के वरदान के अनुसार कौनसा पुरुषार्थ करने से कर्मातीत स्वरुप का अनुभव करने वाले विजयी रत्न बन सकते है ?

A. ○ बीजरूप स्थिति का अनुभव कर कर्मातीत स्वरुप का अनुभव करने वाले विजयी रत्न बन सकते है

B. ○ देह से न्यारे फरिश्ता रूप धारण कर कर्मातीत स्वरुप का अनुभव करने वाले विजयी रत्न बन सकते है

C. ○ माया के हर रूपों को जानकार और उससे किनारा कर कर्मातीत स्वरुप का अनुभव करने वाले विजयी रत्न बन सकते है

D. ◉ सर्व हदों पर विजय प्राप्त कर कर्मातीत स्वरुप का अनुभव करने वाले विजयी रत्न बन सकते है

*Q.6)* यहाँ हम बच्चों को इस देह के भान से भी दूर खली बेगर होना है, क्यों ?

A. ○ अशरीरी बनने के लिए यहाँ हम बच्चों को इस देह के भान से भी दूर खली बेगर होना है

B. ◉ शिवबाबा के सिवाय यहाँ हमारा कुछ भी नहीं है, इसलिए हमें इस देह के भान से भी दूर खली बेगर होना है, बेगर ही प्रिंस बनेंगे.

C. ○ बेहद का संन्यास करने के लिए यहाँ हम बच्चों को इस देह के भान से भी दूर खली बेगर होना है

D. ○ पुरानी दुनिया से मोह न रहे इसलिए यहाँ हम बच्चों को इस देह के भान से भी दूर खली बेगर होना है

*Q.7)* कोलेज खोलने से दुसरे जन्म में विद्या अच्छी मिलेगी, धर्मशाला बनाने से महल मिलेगा

A. ◉ सही

B. ○ गलत

*Q.8)* आज के वरदान के अनुसार बेहद शब्द के स्वरुप में स्थित होना यही फर्स्ट और लास्ट पुरुषार्थ है ?

A. ○ गलत

B. ◉ सही

*Q.9)* हमें कर्म करते समय कौनसी सावधानी रखनी है ?

A. ◉ ऐसा कोई कर्म नहीं करना है, जिसके पीछे ख्याल चले, तोबा-तोबा पश्च्याताप करना पड़े.

B. ○ हमें कर्म करते समय दूसरों को दुःख न पहुचे इसका ध्यान रखना है

C. ○ हमें कर्म करते समय झूठी कमाई न हो इसका ध्यान रखना है

D. ○ हमें कर्म करते समय कर्मों के फल की आशा नहीं रखनी है

*Q.10)* आज के स्लोगन के अनुसार संगठन में सफलता किस आधार पर मिलती रहेगी ?

A. ○ दिव्य गुणों के आधार पर

B. ○ मधुरता का आधार पर

C. ○ सहनशीलता के आधार पर

D. ◉ स्वयं को बदलने की भावना हो तो संगठन में सफलता मिलती रहेगी